بِسۡمِ اللّٰہِ الرَّحۡمٰنِ الرَّحِیۡمِ نَحۡمَدُہٗ وَ نُصَلِّیۡ عَلٰی رَسُوۡلِہِ الۡکَرِیۡمِ وَعَلٰی عَبۡدِہِ الۡمَسِیۡحِ الۡمَوۡعُوۡدِ
لَاۤ اِلٰہَ اِلَّا اللّٰہُ مُحَمَّدٌ رَّسُوۡلُ اللّٰہِ
دفتر مجلس انصاراللہ بھارت
Office Of The Majlis Ansarullah Bharat
Mohallah Ahmadiyya Qadian-143516, Distt.Gurdaspur (Punjab) INDIA

Mob:9682536974, E-Mail.: ansarullah@qadian.in 04.11.2022 محلہ احمدیہ قادیان143516ضلع گورداسپور(پنجاب) انڈیا

तहरीक-ए-जदीद के अठासिवें (88) साल के दौरान जमाअत के लोगों की ओर से पेश किए जाने वाले आर्थिक बलिदानों का वर्णन तथा नवासिवें (89) साल के आरम्भ होने की घोषणा।

सारांश ख़ुत्बः सय्यदना अमीरुल मोमिनीन हज़रत मिर्ज़ा मसरूर अहमद ख़लीफ़तुल मसीह अल-ख़ामिस अय्यदहुल्लाहु तआला बिनस्रिहिल अज़ीज़, बयान फ़र्मूदा 04 नवम्बर 2022, स्थान मस्जिद मुबारक

أَشْهَدُ أَنْ لَّا إِلٰهَ إِلَّا اللّٰهُ وَحْدَهُ لَا شَرِيْكَ لَهُ وَأَشْهَدُ أَنَّ مُحَمَّدًا عَبْدُهُ وَرَسُوْلُهُ أَمَّا بَعْدُ فَأَعُوْذُ بِاللّٰهِ مِنَ الشَّيْطٰنِ الرَّجِيْمِ. بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْمِ. اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ رَبِّ الْعٰلَمِيْنَ. الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْمِ. مٰلِكِ يَوْمِ الدِّيْنِ. إِيَّاكَ نَعْبُدُ وَإِيَّاكَ نَسْتَعِيْنُ. اِهْدِنَا الصِّرَاطَ الْمُسْتَقِيْمَ. صِرَاطَ الَّذِيْنَ أَنْعَمْتَ عَلَيْهِمْ. غَيْرِ الْمَغْضُوْبِ عَلَيْهِمْ وَلَا الضَّآلِّيْنَ.

तशह्हुद तअव्वुज़ तथा सूरः फ़ातिहः की तिलावत के बाद हुज़ूर-ए-अनवर अय्यदहुल्लाहु ने फ़रमाया- आज नवम्बर का पहला जुम्अः है तथा नियमानुसार आज के ख़ुत्बः में तहरीक जदीद के नव वर्ष की घोषणा की जाती है तथा पिछल साल में अल्लाह तआला की कृपाओं की जा वर्षा हातो रहो उसका वर्णन किया जाता है।

हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम फ़रमाते हैं कि हर एक नबी ने अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए आर्थिक सहयोग की प्रेरणा दी है, क़ुर्आन में भी इसकी तहरीक है। क़ुर्आन करीम में अल्लाह तआला ने स्पष्ट रूप में फ़रमाया है कि जो क़ुर्बानियाँ तुम करते हो, अल्लाह तआला उसका बदला इस दुनिया में ही देता है। अतः सूरः बक़रः आयत 262 में अल्लाह तआला ने इस मार्ग में ख़र्च करने वालों का उदारहण बयान फ़रमाया है कि जो मोमिन निष्ठापूर्वक अल्लाह की राह में ख़र्च करते हैं, अल्लाह तआला उनका उधार नहीं रखता बल्कि दुनिया तथा आख़िरत में अत्यधिक बदला प्रदान करता है।

इस ज़माने में अल्लाह तआला ने दीन के प्रचार प्रसार के लिए हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम को भेजा है आपके मानने वालों का यह दायित्व है कि दीन के प्रकाशन तथा तौहीद की स्थापना के लिए अपने कर्त्तव्य का निर्वाह करें। यदि निष्ठापूर्वक इसका हक़ अदा करेंगे तो अल्लाह तआला के फ़ज़्लों के वारिस ठहरेंगे। आँहज़रत सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने फ़रमाया है कि नमाज़, रोज़ा तथा अल्लाह तआला की स्तुति, अल्लाह तआला की राह में ख़च करने को कई गुना बढ़ाती है।

इस हदीस में अल्लाह तआला ने एक शुद्ध मोमिन का चित्रण किया है कि केवल माल की क़ुर्बानी पर्याप्त नहीं बल्कि अन्य इबादतें भी अनिवार्य हैं, फिर अल्लाह तआला ऐसा बदला प्रदान करता है कि मनुष्य चकित रह जाता है। इंसान का इस बात पर ख़ुश नहीं होना चाहिए कि हमने अल्लाह की राह में ख़र्च कर दिया, नहीं बल्कि अन्य इबादतें करना भी आवश्यक हैं।

हुज़ूर-ए-अनवर ने हज़रत राबिअः बसरी के व्यापक भरोसे का वर्णन फ़रमाया कि किस प्रकार उन्होंने ख़ुदा की राह में दो रोटियाँ दीं तो बीस रोटियाँ मेहमानों क लिए आ गईं।

अल्लाह तआला ने आज दीन के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम को भेजा है तथा जमाअत के द्वारा दीन के प्रकाशन का काम हो रहा है। जमाअत कई मिलयन पाउंड प्रति वर्ष लिट्रेचर, मस्जिदों तथा मिशन हाउसज़ के निर्माण पर ख़र्च करती है। उन्नत देशों का धन अफ्रीक़ा, भारत तथा कई देशों में ख़र्च होती है। यह अल्लाह तआला का फ़ज़्ल है कि अर्थिक स्थिति के दुर्बल होने के बावजूद जमाअत के लोग इन ख़र्चों को पूरा कर रहे हैं। अल्लाह तआला भी अपने वदानां के दृश्य दिखाता है तथा निर्धन एवं धनवान देशों में, हर स्थान पर क़ुर्बानी करने वालों को विचित्र ढंग से देता है।

इसके बाद हुज़ूर-ए-अनवर ने लाईबेरिया, आस्ट्रेलिया, तंज़ानिया, गैम्बिया, नाईजेरिया तथा गिनी कनाकरी तथा भारत सहित विश्व के विभिन्न देशों से पुरुषों, महिलाओं, बच्चों, बूढ़ों, धनवान तथा निर्धन, अर्थात भिन्न भिन्न वर्गों जातियों तथा क़ौम से सम्बंध रखने वाले निष्ठावान अहमदियों की माली क़ुर्बानियों के ईमान वर्धक वृत्तांत बयान फ़रमाए।

हुज़ूर-ए-अनवर ने फ़रमाया- इंडिया से वकीलुल माल साहब कहते हैं कि यहाँ एक साहब हैं जो माली क़ुर्बानी में तहरीके जदीद की बड़े अग्रसर हैं, उन्हें बजट में बढ़ौतरी करने की प्रेरणा की तो कहने लगे कितना बढ़ाऊँ? उनसे कहा गया कि अपन सामर्थ्य के अनुसार जो आप कर सकते हैं कर दें। परन्तु उनका आग्रह था मर्कज़ी प्रतिनिधि के सामने कि आप बताएँ तो? प्रतिनिधि ने कह दिया कि अच्छा दस लाख रुपए की बढ़ौतरी कर दें। वे पहले पाँच लाख रुपए दे चुके थे, अतः उन्होंने बढ़ा दिया तथा अदायगी भी कर दी। कहते हैं कि मेरा एक मकान था जिसकी रजिस्ट्री नहों हो रही थी तथा बड़ी भारी हानि होने की सम्भावना थी किन्तु चन्दे में बढ़ौतरी करने के कुछ दिन बाद ही यह काम भी हो गया, विलम्ब में पड़ा हुआ, और अल्लाह तआला ने हानि को पूरा कर दिया। तो अल्लाह तआला न अमीरों से उधार रखता है, न ग़रीबों से, हर एक को उसके अनुसार प्रदान करता है।

इंडिया से ही वकीलुल माल साहब लिखते हैं कि कशमीर के एक डाक्टर जो प्रोफ़ैसर हैं शेर कशमीर यूनिवर्सिटी में, चन्दों के वादों की अदायगी कर दी थी। इसके बाद उन्होंने बताया कि मुझे उन्नति देकर चीफ़ वैज्ञानिक बना दिया गया है तथा मेरे वेतन में भी बहुमूल्य बढ़ौतरी हो गई है इस पर उन्होंने अपने तहरीके जदीद के चन्दे में भी बढ़ौतरी कर दी।

तहरीके जदीद के अठाईसवें साल के अन्त पर विश्व व्यापी अहमदिया जमाअत को दौराने साल इस माली निज़ाम में 16.4 मिलयन पाउंड माली क़ुर्बानी पेश करने का सामर्थ्य मिला। विश्व की तेज़ी से

बिगड़ती हुई आर्थिक व्यवस्था के बावजूद यह वसूली गतवर्ष की तुलना में अल्लाह तआला की कृपा से 1.1 मिलयन पाउंड अधिक है। इस वर्ष भी जर्मनी की जमाअत दुनिया भर की जमाअतों में अव्वल नम्बर पर है। पाकिस्तान ने भी अल्लाह तआला की कृपा से ख़ूब क़ुर्बानी की है परन्तु वहाँ आर्थिक स्थितियाँ अति विकट हैं। रुपए के स्तर में गिरावट के कारण वे पीछे रह गए ह अन्यथा क़ुर्बानी में उनका क़दम आगे ही बढ़ा है। यद्यपि जर्मनी आगे है किन्तु अपनी स्थानीय क्रन्सी की दृष्टि से उनमें कमी हुई है। बर्तानिया और अमरीका में जिस प्रकार बढ़ौतरी हो रही है यदि यूँ ही बढ़ते रहें तो जर्मनी से आगे भी निकल सकते हैं। इसी प्रकार कैनेडा, आस्ट्रेलिया, भारत और घाना की जमाअतों के चन्दों में भी विशेष रूप से बढ़ौतरी हुई है।

कार्यकुशलता की दृष्टि से अन्य वर्णन योग्य जमाअतों में, हॉलैंड, फ्रांस, स्वीडन, जार्जिया, नार्वे, बैल्जियम, बर्मा, मलेशिया, न्यूज़ी लैंड, बंगला देश, करीबाती, क़ज़ाक़िस्तान, ततारिस्तान, फ़िलपाईन तथा फिर मध्य पूर्व की एक जमाअत शामिल है।

अफ्रीक़ा के देशों में सामूहिक वसूली की दृष्टि से प्रथम स्थान घाना का है, फिर मारेशिस, नाईजेरिया, बर्कीना फ़ासो, तंज़ानिया, गैम्बिया, लाईबेरिया, योगेंडा, सीरालियोन तथा फ़िर बेनिन का नम्बर है।

प्रतिव्यक्ति अदायगी के अनुसार अमरीका, बर्तानिया तथा आस्ट्रेलिया का नम्बर है। सम्मिलित होने वालों की कुल संख्या अल्लाह तआला की कृपा से 15 लाख 98 हज़ार है।

सम्मिलित होने के अनुसार बढ़ौतरी करने की दृष्टि से अफ्रीक़ा के देशों में नाईजेरिया नम्बर एक पर है, फिर गिनी बसाऊ, कांगो बराज़ावैल, गिनी कनाकरी, तंज़ानिया, कोंगो किंशासा, गैम्बिया, कैमरोन, आईवरी कोस्ट, नाईजेरिया, सेनेगाल तथा फिर बर्कीना फ़ासो है।

दफ़्तर अव्वल के खाते अल्लाह के फ़ज़्ल से जारी हैं-

भारत की पहली दस जमाअतें कुछ यूँ हैं- कोएम्बटूर, तमिलनाडु, क़ादियान, हैदराबाद, करुलाई, पित्था पीरियम, कालीकट, बंगलोर, मेलापालम, कलकत्ता फिर केरंग।

क़ुर्बानी की दृष्टि से भारत के प्रदेशों में केरला, तमिलनाडु, कर्नाटक, जम्मू कशमीर, तिलंगाना, उड़ीसा, पंजाब, बंगाल, देहली तथा महाराष्ट्र।

हुज़ूर-ए-अनवर ने समस्त क़ुर्बानी पेश करने वालों के लिए दुआ की कि अल्लाह तआला सब माली क़ुर्बानी करने वालों के माल व जान में अत्यंत बरकत अता फ़रमाए।

ख़ुत्बः के अन्त पर एक वैबसाईट के उदघाटन की घोषणा करते हुए हुज़ूरे अनवर ने फ़रमाया कि यू.के. जमाअत ने बर्तानिया के अहमदी इतिहास के विषय में एक वैबसाईट जारी की है। इस वैबसाईट में हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम की पश्चिम में मार्ग दर्शन के सम्पूर्ण प्रयासों पर शोध विषयों को प्रकाशित किया गया है। यू.के. में जमाअत का आरम्भ 1913 से समझा जाता है जब चौधरी फ़त्ह मुहम्मद सियाल रज़ी. यहाँ आए थे, जबकि बर्तानिया और यूरोप के अन्य देशों में हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम का पैग़ाम आप अलैहिस्सलाम के मुजद्दिद होने के दावे के साथ ही यहाँ पहुंच गया था।

जब हज़रत अक़दस मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम ने इतमामे हुज्जत (समझाने की अंतिम सीमा) के उद्देश्य से एक पत्र तथा अंग्रेज़ी में विज्ञापन, जिसकी आठ हज़ार प्रतियाँ छपवा कर हिन्दुस्तान तथा इंगलिस्तान में उपलब्ध विख्यात तथा आदरणीय पादरी साहिबान तथा विभिन्न सोसाईटीज़ एवं धार्मिक लीडरान तक जहाँ जहाँ उस ज़माने में इस सन्देश का पहुंचना सम्भव था, भिजवाया। उसका एक उदाहरण यह है कि यू.के. में चार्लज़ बरैडला के नाम से एक राजनेता जो कि एक नास्तिक था, उसे आप अलै. की दावत 1885 में मिली थी। उसका वर्णन यहाँ के एक अख़बार कोरकोंस्टी टयूशन ने अपने आठ जून अठारह सौ पिचासी (8 जून 1885) के संस्करण में किया था। इसी प्रकार द थयोसोफ़िस्ट सोसाईटी के एक संस्थापक हैनरी स्टील आलकाट को भी यह दावत 1886 में मिल गई थी जिसका वर्णन उसने अपने एक समाचार पत्र द थयोसोफ़िस्ट के सितम्बर 1886 के संस्करण में किया था।

इस वैबसाईट पर हज़रत अक़दस मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम के मुबारक दौर पर एक टाईम लाईन तय्यार की गई है जिस पर पश्चिम में पैग़ाम-ए-हक़ पर आधारित सच्चाईयों को बयान किया गया है तथा पायोनियर मिश्नरीज़ के नाम से एक अन्य टाईम लाईन तय्यार की गई है जिसमें सिलसिले के प्रथिमक मुबल्लिग़ जिनमें सहाबी हज़रत अक़दस मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम शामिल हैं, उनका परिचय तथा यू.के. में उनकी सेवाओं का वर्णन किया गया है। इस प्रकार हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम की पादरी पिगट के बारे में भविष्य वाणी पर एक अनुसंधान काय समस्त विस्तत प्रमाणों के साथ प्रकाशित किया गया है। इसी प्रकार इतिहास पर आधारित अन्य शोध विषय प्रकाशित किए गए जो युवा पीढ़ी पर इस बात को स्पष्ट करेंगे कि उनका तथा उनके पूर्वजों का इन देशों में आने का मूल उद्दश्य क्या था। इस वैबसाईट का पता है-

history.ahmadiyya.uk

तो यह भी आज से शुरु होगी, वैसे तो शुरु है किन्तु नियमानुसार रस्मी उदघाटन भी आज ये करवाना चाहते हैं। अल्लाह तआला करे कि यह हमारे अपनों के लिए भी, ग़ैरों के लिए भी लाभदायक हो।

اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ نَحْمَدُهٗ وَنَسْتَعِيْنُهٗ وَنَسْتَغْفِرُهٗ وَنُؤْمِنُ بِهٖ وَنَتَوَكَّلُ عَلَيْهِ وَنَعُوْذُ بِاللّٰهِ مِنْ شُرُوْرِ اَنْفُسِنَا وَمِنْ
سَيِّئَاتِ اَعْمَالِنَا مَنْ يَّهْدِهِ اللّٰهُ فَلَا مُضِلَّ لَهٗ وَمَنْ يُّضْلِلْهُ فَلَا هَادِيَ لَهٗ وَاَشْهَدُ اَنْ لَّا اِلٰهَ اِلَّا اللّٰهُ وَحْدَهٗ لَا
شَرِيْكَ لَهٗ وَاَشْهَدُ اَنَّ مُحَمَّدًا عَبْدُهٗ وَرَسُوْلُهٗ، عِبَادَ اللّٰهِ رَحِمَكُمُ اللّٰهُ اِنَّ اللّٰهَ يَاْمُرُ بِالْعَدْلِ وَالْاِحْسَانِ وَاِيْتَآءِ
ذِي الْقُرْبٰى وَيَنْهٰى عَنِ الْفَحْشَآءِ وَالْمُنْكَرِ وَالْبَغْيِ يَعِظُكُمْ لَعَلَّكُمْ تَذَكَّرُوْنَ فَاذْكُرُوا اللّٰهَ يَذْكُرْكُمْ
وَادْعُوْهُ يَسْتَجِبْ لَكُمْ وَلَذِكْرُ اللّٰهِ اَكْبَرُ۔

हिन्दी अनुवाद को अधिक सुन्दर बनाने हेतु सुझाव का स्वागत है, सम्पर्क करें-9781831652

अहमदिया मुस्लिम जमाअत क़ादियान के विषय में जानकारी के लिए टोल फ्री नम्बर-18001032131